Bharatiya Kala Mahotsav भारतीय कला महोत्सव

- The President launched the first edition of Bharatiya Kala Mahotsav at Rashtrapati Nilayam in Secunderabad (Hyderabad). राष्ट्रपति ने सिकंदराबाद (हैदराबाद) में राष्ट्रपति निलयम में भारतीय कला महोत्सव के पहले संस्करण का शुभारंभ किया।
- It is an eight-day festival, organised by the Rashtrapati Nilayam in collaboration with the Ministry of Development of the North-east Region (DoNER) and the Ministry of Culture.
  यह आठ दिवसीय उत्सव है, जो राष्ट्रपति निलयम द्वारा उत्तर–पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

Bharatiya Kala Mahotsav:

- It is to celebrate the vibrant cultural heritage and showcase the art, crafts, and culinary diversity of the North-Eastern states.
  यह जीवंत सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और उत्तर–पूर्वी राज्यों की कला, शिल्प और पाक विविधता का प्रदर्शन करने के लिए है।
- It also serves as a platform for cultural exchange and aims to connect the North-East with the southern regions of the nation.
  यह सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है और इसका उद्देश्य उत्तर–पूर्व को देश के दक्षिणी क्षेत्रों से जोड़ना है।

Bharatiya Kala Mahotsav:

- Rashtrapati Nilayam is one of India's three presidential retreats (one is in Delhi and the other is in Shimla) and the only one in Southern India.
  राष्ट्रपति निलयम भारत के तीन राष्ट्रपति निवासों में से एक है (एक दिल्ली में है और दूसरा शिमला में है) और दक्षिणी भारत में एकमात्र है।
- It was constructed in 1860 with a total land area of 90 acres and was taken over by the Nizam of Hyderabad after independence.
  इसका निर्माण 1860 में कुल 90 एकड़ भूमि क्षेत्र के साथ किया गया था और आजादी के बाद हैदराबाद के निजाम ने इसे अपने कब्जे में ले लिया था।

Water chestnut (Goer):

- Water chestnut, or “goer” in Kashmir, is a vital income source for families around Wular Lake, one of Asia’s largest freshwater lakes. However, environmental changes have led to declining production, affecting local livelihoods. वॉटर चेस्टनट, या कश्मीर में ‘‘गोअर’’, एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक, वुलर झील के आसपास के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण आय स्रोत है। हालाँकि, पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण उत्पादन में गिरावट आई है, जिससे स्थानीय आजीविका प्रभावित हुई है।
- Water Chestnut (Goer) in Kashmir Grows in Wular Lake, Kashmir; known as “Singhara” in other parts of India. कश्मीर में वॉटर चेस्टनट (गोअर) वुलर झील, कश्मीर में उगता हैय भारत के अन्य भागों में इसे ‘‘सिंघारा’’ के नाम से जाना जाता है।

Water chestnut (Goer):

- Collected during autumn, typically starting in late September.
  शरद ऋतु के दौरान एकत्र किया जाता है, आमतौर पर सितंबर के अंत में शुरू होता है।
- Harvested by villagers using boats, with protective footwear to avoid injuries from sharp barbed spines on the plants.
  पौधों पर नुकीले कंटीले कांटों से होने वाली चोटों से बचने के लिए सुरक्षात्मक जूते पहनकर, नावों का उपयोग करके ग्रामीणों द्वारा कटाई की गई।
- The edible kernel is peeled, dried, and ground into flour. It's widely consumed during festivals like Navaratri.
  खाने योग्य गिरी को छीलकर, सुखाकर और पीसकर आटा बनाया जाता है। नवरात्रि जैसे त्योहारों के दौरान इसका व्यापक रूप से सेवन किया जाता है।

Water chestnut (Goer):

Uses: उपयोग:

- Food: White, crunchy, sweet flesh is eaten fresh or dried and used in fasting rituals.
  भोजन: सफेद, कुरकुरा, मीठा मांस ताजा या सूखा खाया जाता है और उपवास अनुष्ठानों में उपयोग किया जाता है।
- Fuel: Dried outer shells are used as fuel in traditional Kashmiri fire pots (kangri) during winter.
  ईंधन: सर्दियों के दौरान पारंपरिक कश्मीरी आग के बर्तनों (कांगड़ी) में सूखे बाहरी गोले का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है।

Water chestnut (Goer):

- Nutritional value: Rich in potassium and fiber, low in sodium and fat, and high in carbohydrates.
  पोषण मूल्यः पोटेशियम और फाइबर से भरपूर, सोडियम और वसा में कम और कार्बोहाइड्रेट में उच्च।
- Economic importance: Primarily harvested by poorer communities around Wular Lake; provides seasonal income.
  आर्थिक महत्वः मुख्य रूप से वुलर झील के आसपास के गरीब समुदायों द्वारा कटाई की जाती हैय मौसमी आय प्रदान करता है।

UK Naga Skull Auction Controversy:
यूके नागा खोपड़ी नीलामी विवाद:

- A 19th-century “horned Naga skull” was withdrawn from an auction in the UK following significant backlash from authorities in Nagaland and India, bringing attention to the sensitive issue of Indigenous human remains and the broader debate surrounding colonial legacies.
  नागालैंड और भारत के अधिकारियों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद ब्रिटेन में 19वीं सदी की ‘‘सींग वाली नागा खोपड़ी’’ को नीलामी से वापस ले लिया गया, जिससे स्वदेशी मानव अवशेषों के संवेदनशील मुद्दे और औपनिवेशिक विरासतों के आसपास की व्यापक बहस पर ध्यान आकर्षित हुआ।

UK Naga Skull Auction Controversy:
यूके नागा खोपड़ी नीलामी विवाद:

- At the auction 19th-century Naga human skull was valued at 3,500-4,500 Pounds, alongside remains from Papua New Guinea, Borneo, Solomon Islands, and African countries like Benin, Congo, and Nigeria.
  नीलामी में पापुआ न्यू गिनी, बोर्नियो, सोलोमन द्वीप और बेनिन, कांगो और नाइजीरिया जैसे अफ्रीकी देशों के अवशेषों के साथ–साथ 19वीं सदी की नागा मानव खोपड़ी का मूल्य 3,500–4,500 पाउंड लगाया गया था।
- Nagaland Chief Minister and the Civil society led the protest against the auction.
  नागालैंड के मुख्यमंत्री और नागरिक समाज ने नीलामी के विरोध का नेतृत्व किया।

UK Naga Skull Auction Controversy:
यूके नागा खोपड़ी नीलामी विवादः

- They view it as a continuation of colonial violence and racism, perpetuating harmful stereotypes such as labelling the Naga people as “savages” and “headhunters,” a characterisation rooted in British colonialism.
  वे इसे औपनिवेशिक हिंसा और नस्लवाद की निरंतरता के रूप में देखते हैं, जो नागा लोगों को ‘‘जंगली’’ और ‘‘हेडहंटर’’ के रूप में लेबल करने जैसी हानिकारक रूढ़िवादिता को कायम रखता है, जो ब्रिटिश उपनिवेशवाद में निहित एक विशेषता है।
- The sale of Indigenous human remains, particularly those stolen during colonial rule, was strongly condemned as an ethical violation.
  स्वदेशी मानव अवशेषों की बिक्री, विशेष रूप से औपनिवेशिक शासन के दौरान चुराए गए अवशेषों की नैतिक उल्लंघन के रूप में कड़ी निंदा की गई।

UK Naga Skull Auction Controversy:
यूके नागा खोपड़ी नीलामी विवाद:

- The auction of human remains is said to violate Article 15 of the United Nations Declaration on the Rights of Indigenous Peoples (UNDRIP), which states: “Indigenous Peoples have a right to the dignity and diversity of their cultures, traditions, histories, and aspirations, which shall be appropriately reflected in education and public information.”

  मानव अवशेषों की नीलामी को स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा (यूएनडीआरआईपी) के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन माना जाता है, जिसमें कहा गया है: ‘‘स्वदेशी लोगों को अपनी संस्कृतियों, परंपराओं, इतिहास और आकांक्षाओं की गरिमा और विविधता का अधिकार है।’’ , जो शिक्षा और सार्वजनिक सूचना में उचित रूप से प्रतिबिंबित होगा।

UK Naga Skull Auction Controversy:
यूके नागा खोपड़ी नीलामी विवाद:

- The Naga community has been involved in efforts to repatriate ancestral remains from the Pitt Rivers Museum in Oxford, which holds around 6,500 Naga artefacts collected during the British colonial period.
  नागा समुदाय ऑक्सफोर्ड में पिट रिवर संग्रहालय से पैतृक अवशेषों को वापस लाने के प्रयासों में शामिल रहा है, जिसमें ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान एकत्र की गई लगभग 6,500 नागा कलाकृतियाँ हैं।

International Abhidhamma Divas अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

- The Prime Minister of India addressed a ceremony in celebration of International Abhidhamma Divas and recognition of Pali as classical language in New Delhi. भारत के प्रधान मंत्री ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के उपलक्ष्य में एक समारोह को संबोधित किया।
- Abhidhamma Divas commemorates the day when Lord Buddha descended from the celestial realm, Tāvatiṃsa-devaloka, to Sankassiya (now Sankisa Basantapur) in Uttar Pradesh. अभिधम्म दिवस उस दिन की याद दिलाता है जब भगवान बुद्ध दिव्य क्षेत्र, तावतिंसा–देवलोक से उत्तर प्रदेश के संकासिया (अब संकिसा बसंतपुर) में अवतरित हुए थे।
- The Asokan Elephant Pillar, a historical marker at the site, marks this significant event. अशोकन हाथी स्तंभ, इस स्थल पर एक ऐतिहासिक मार्कर है, जो इस महत्वपूर्ण घटना को चिह्नित करता है।

International Abhidhamma Divas अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

- According to Theravāda Buddhist texts, Lord Buddha spent three months teaching the Abhidhamma to the deities in Tāvatiṃsa, including his mother.
  थेरवाद बौद्ध ग्रंथों के अनुसार, भगवान बुद्ध ने तवातिंसा में अपनी मां सहित देवताओं को अभिधम्म सिखाने में तीन महीने बिताए।
- The celebration of Abhidhamma Divas coincides with the end of the first Rainy Retreat (Vassa) and the Pavāraṇā festival, a time when monks and nuns conclude their retreat period with a ceremony.
  अभिधम्म दिवस का उत्सव पहले रेनी रिट्रीट (वस्सा) और पवाराणा उत्सव के अंत के साथ मेल खाता है, एक ऐसा समय जब भिक्षु और नन एक समारोह के साथ अपनी रिट्रीट अवधि का समापन करते हैं

International Abhidhamma Divas अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

- This year International Abhidhamma Divas was hosted by the Ministry of Culture in collaboration with the International Buddhist Confederation (IBC).
  इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस की मेजबानी संस्कृति मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से की थी।
- The Abhidhamma adopts a specialized and analytical approach to explore reality.
  अभिधम्म वास्तविकता का पता लगाने के लिए एक विशेष और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाता है।

International Abhidhamma Divas अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

- It offers a detailed framework for understanding the nature of existence, addressing the processes of birth, death, and mental phenomena in a precise and abstract manner. यह अस्तित्व की प्रकृति को समझने, जन्म, मृत्यु और मानसिक घटनाओं की प्रक्रियाओं को सटीक और अमूर्त तरीके से संबोधित करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा प्रदान करता है।
- The four ultimate realities in the Abhidhamma are: “citta” (consciousness), “cetasika” (mental factors), “rūpa” (materiality), and “nibbāna” (final liberation). अभिधम्म में चार अंतिम वास्तविकताएँ हैं: ''चित्त'' (चेतना), ''चेतसिका'' (मानसिक कारक), ''रूप'' (भौतिकता), और ''निर्वाण'' (अंतिम मुक्ति)।

Sri Singeeswarar Temple श्री सिंगेश्वर मंदिर

- A set of copper-plate inscriptions dating back to the 16th Century CE have been discovered at the Sri Singeeswarar temple at Mappedu village in Tiruvallur district recently. हाल ही में तिरुवल्लूर जिले के मप्पेडु गांव में श्री सिंगेश्वर मंदिर में 16वीं शताब्दी के तांबे के शिलालेखों का एक सेट खोजा गया है।
- Built in 976 A.D. by Aditya Karikal Chola II, the elder brother of Rajaraja Chola. इसका निर्माण 976 ई. में राजराजा चोल के बड़े भाई आदित्य करिकाल चोल द्वितीय द्वारा किया गया था।
- In the 16th century, Ariyanatha Mudaliar, an officer under King Tirumala Nayaka, renovated the temple, particularly erecting the main tower (Raja Gopuram). 16वीं शताब्दी में, राजा तिरुमाला नायक के अधीन एक अधिकारी एरियानाथ मुदलियार ने मंदिर का जीर्णोद्धार किया, विशेष रूप से मुख्य टॉवर (राजा गोपुरम) का निर्माण किया।

Sri Singeeswarar Temple श्री सिंगेश्वर मंदिर

- Copper-plate inscriptions from 1513 CE, written in Sanskrit and Nandinagari script during the reign of Vijayanagara King Krishnadevaraya, were recently discovered at the temple. These inscriptions hold significant historical value.
  विजयनगर राजा कृष्णदेवराय के शासनकाल के दौरान संस्कृत और नंदिनागरी लिपि में लिखे गए 1513 ईस्वी के ताम्र–प्लेट शिलालेख, हाल ही में मंदिर में पाए गए थे। ये शिलालेख महत्वपूर्ण ऐतिहासिक महत्व रखते हैं।
- The temple is known for its unique depiction of Anjaneya (Hanuman) playing the Veena in a subtle state, making it a special spiritual site.
  यह मंदिर अंजनेय (हनुमान) के सूक्ष्म अवस्था में वीणा बजाते हुए अद्वितीय चित्रण के लिए जाना जाता है, जो इसे एक विशेष आध्यात्मिक स्थल बनाता है।

Shillong has been named the most popular travel destination for Indians in 2025 शिलांग को 2025 में भारतीयों के लिए सबसे लोकप्रिय यात्रा गंतव्य नामित किया गया है

- Shillong has emerged as the most popular destination for Indian travellers in 2025, as revealed by Skyscanner's "Travel Trends Report" released on Wednesday. Meghalaya's capital topped the list, surpassing Baku (Azerbaijan) and Langkawi (Malaysia), showing a strong interest among Indians for unique and immersive experiences. The report indicates that 66% of Indians plan to travel more in the coming year.

  बुधवार को जारी स्काईस्कैनर की ''ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट'' से पता चला कि शिलांग 2025 में भारतीय यात्रियों के लिए सबसे लोकप्रिय गंतव्य के रूप में उभरा है। मेघालय की राजधानी बाकू (अजरबैजान) और लैंगकावी (मलेशिया) को पीछे छोड़ते हुए सूची में शीर्ष पर है, जो अद्वितीय और गहन अनुभवों के लिए भारतीयों के बीच मजबूत रुचि दिखाती है। रिपोर्ट बताती है कि 66: भारतीय आने वाले वर्ष में अधिक यात्रा करने की योजना बना रहे हैं।

Sohrai Painting : PM Gift To Russian President

सोहराई पेंटिंगः प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति को उपहार दिया

- Prime Minister of India gifted Sohrai painting to Russian President during the recently held BRICS summit in Kazan. हाल ही में कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधान मंत्री ने रूसी राष्ट्रपति को सोहराई पेंटिंग उपहार में दी थी।
- Sohrai Painting is an indigenous mural art form.
  सोहराई पेंटिंग एक स्वदेशी भित्ति कला है।
- It is also interesting to note that the word 'Sohrai' comes from soro – translating to 'to drive with a stick'.
  यह जानना भी दिलचस्प है कि 'सोहराई' शब्द सोरो से आया है – जिसका अनुवाद 'छड़ी के साथ गाड़ी चलाना' है।

Sohrai Painting सोहराई पेंटिंग

- This art form dates back to the Meso-chalcolithic period (9000-5000 BC).
  यह कला रूप मेसो–ताम्रपाषाण काल (9000–5000 ईसा पूर्व) का है।
- The Isko rock shelter excavated in Barkagaon, Hazaribagh area also has rock paintings that are exactly similar to the traditional Sohrai paintings.
  बड़कागांव, हजारीबाग क्षेत्र में उत्खनन से प्राप्त इस्को शैलाश्रय में भी शैलचित्र हैं जो पारंपरिक सोहराई चित्रकला के बिल्कुल समान हैं।
- It is usually based on natural elements of the universe, this includes forests, rivers, animals amongst others.
  यह आमतौर पर ब्रह्मांड के प्राकृतिक तत्वों पर आधारित है, इसमें जंगल, नदियाँ, जानवर और अन्य शामिल हैं।

Sohrai Painting सोहराई पेंटिंग

- These ancient paintings are made by tribal (Adivasi) women with the use of natural substances like charcoal, clay, or soil.
  ये प्राचीन पेंटिंग आदिवासी (आदिवासी) महिलाओं द्वारा लकड़ी का कोयला, मिट्टी या मिट्टी जैसे प्राकृतिक पदार्थों का उपयोग करके बनाई जाती हैं।
- The very primitive form of Sohrai art was in the form of cave paintings.
  सोहराई कला का सबसे आदिम रूप गुफा चित्रों के रूप में था।
- It is practiced by indigenous communities, particularly in the States of Jharkhand, Bihar, Odisha, and West Bengal.
  इसका अभ्यास स्वदेशी समुदायों द्वारा किया जाता है, विशेष रूप से झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल राज्यों में।

Sohrai Painting सोहराई पेंटिंग

- It is the art of the women of the Kurmi, Santal, Munda, Oraon, Agaria, Ghatwal tribes. यह कुर्मी, संथाल, मुंडा, उराँव, अगरिया, घटवाल जनजातियों की महिलाओं की कला है।
- The region of Hazaribagh in Jharkhand that has received the GI tag for this art form. झारखंड में हजारीबाग का क्षेत्र जिसे इस कला के लिए जीआई टैग प्राप्त हुआ है।
- Sohrai paintings are distinctive for their vibrant colours, intricate patterns, and symbolic motifs; सोहराई पेंटिंग अपने जीवंत रंगों, जटिल पैटर्न और प्रतीकात्मक रूपांकनों के लिए विशिष्ट हैंय
- There is a Sohrai festival held every year, marking the harvesting season and the arrival of winter. कटाई के मौसम और सर्दियों के आगमन को चिह्नित करते हुए, हर साल सोहराई त्योहार आयोजित किया जाता है।

India’s first ‘Writer’s Village’ was inaugurated in Dehradun

भारत के पहले ‘राइटर्स विलेज’ का उद्घाटन देहरादून में किया गया

- India’s first ‘Writer’s Village’ was inaugurated in Dehradun by former President Ram Nath Kovind, along with Uttarakhand Governor Lt Gen Gurmeet Singh (retd) and Chief Minister Pushkar Singh Dhami. This unique village aims to foster creativity and provide a nurturing environment for writers from across the country, establishing Dehradun as a new cultural hub for literary talent. भारत के पहले ‘राइटर्स विलेज’ का उद्घाटन देहरादून में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। इस अनोखे गाँव का उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और देश भर के लेखकों के लिए एक पोषण वातावरण प्रदान करना है, जिससे देहरादून को साहित्यिक प्रतिभा के लिए एक नए सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

Konark Sun Temple : Mann Ki Baat
कोणार्क सूर्य मंदिरः मन की बात

- The Prime Minister's 'Mann Ki Baat'—through which he interacts with citizens on various issues—had recently made references to Odissi dance and Konark temple.
  प्रधान मंत्री की 'मन की बात' – जिसके माध्यम से वह विभिन्न मुद्दों पर नागरिकों के साथ बातचीत करते हैं – ने हाल ही में ओडिसी नृत्य और कोणार्क मंदिर का संदर्भ दिया था।
- It is located on the coastline of Odisha in Puri district.
  यह पुरी जिले में ओडिशा के समुद्र तट पर स्थित है।

Konark Sun Temple

- Also called the Surya Devalaya, the temple is dedicated to the Hindu god Surya.
  इसे सूर्य देवालय भी कहा जाता है, यह मंदिर हिंदू भगवान सूर्य को समर्पित है।
- Textual evidence indicates that Narasimha I (who reigned between 1238 and 1264) of the Eastern Ganga dynasty built the temple in 1250.
  पाठ्य साक्ष्य इंगित करते हैं कि पूर्वी गंगा राजवंश के नरसिम्हा प्रथम (जिसने 1238 और 1264 के बीच शासन किया) ने 1250 में मंदिर का निर्माण कराया था।
- It was designated a UNESCO World Heritage Site in 1984.
  इसे 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल नामित किया गया था।

Konark Sun Temple

- It is a classic example of the Odisha style of architecture or Kalinga architecture.
  यह ओडिशा वास्तुकला शैली या कलिंग वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
- The temple complex has the appearance of a 100-foot-high solar chariot, with 24 wheels and pulled by six horses, all carved from stone.
  मंदिर परिसर 100 फुट ऊंचे सौर रथ की तरह दिखता है, जिसमें 24 पहिए हैं और इसे छह घोड़े खींच रहे हैं, सभी पत्थर से बनाए गए हैं।
- It is oriented towards the east so that the first rays of the sunrise strike the main entrance.
  इसका उन्मुखीकरण पूर्व की ओर है ताकि सूर्योदय की पहली किरणें मुख्य द्वार पर पड़े।

Konark Sun Temple

- The wheels of the temple are sundials, which can be used to calculate time accurately to a minute. मंदिर के पहिए धूपघड़ी हैं, जिनका उपयोग एक मिनट तक समय की सटीक गणना करने के लिए किया जा सकता है।
- Around the base of the temple, there are images of animals, foliage, warriors on horses, and other interesting structures. मंदिर के आधार के चारों ओर जानवरों, पेड़ों, घोड़ों पर सवार योद्धाओं और अन्य दिलचस्प संरचनाओं की छवियां हैं।
- The temple also features elaborate stone carvings depicting scenes from Hindu mythology. मंदिर में हिंदू पौराणिक कथाओं के दृश्यों को दर्शाने वाली विस्तृत पत्थर की नक्काशी भी है।

Konark Sun Temple

- The temple, built from Khondalite rocks, is also known as 'BLACK PAGODA' due to its dark colour.
  खोंडालाइट चट्टानों से निर्मित इस मंदिर को इसके गहरे रंग के कारण 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है।
- The temple remains a site of contemporary worship for Hindus, during the annual Chandrabhaga Festival, around the month of February.
  यह मंदिर फरवरी महीने के आसपास वार्षिक चंद्रभागा महोत्सव के दौरान हिंदुओं के लिए समकालीन पूजा स्थल बना रहता है।